# भारत का राजपत्र The Gazette of India

### असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—एवस 3—एव-स्वर्ध (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY



No. 86]

**गई विस्ली, गुक्कवार, मार्च 2, 1990/फालाुन 11, 1911** 

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 2, 1990/PHALGUNA 11, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ट संस्था वी जाती है जिससे कि यह अलग संकासन के कप में रचा वा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंखालय

( भौग्रोगिक विकास विभाग )

प्रक्षिस् चना

नई दिल्ली, 28 फरबर्रा, 1990

सा. का. नि. 109 (भ):—केल्यियम कार्बाइड नियम, 1987 का संगीधन करने के लिए कान्यय नियमों का एक प्राक्ष्य, पेट्टोलियम भ्राधिनियम, 1934 (1934 का 30) का धारा 29 को उपधारा (2) भीर उपधारा (3) की भ्रापेक्षान्मार, भारत मरकार के उद्योग मन्त्रालय (भ्रोधोगिक विकास विभाग) की भ्राधिस्चात सं. सा. का. नि. 1228 (भ्र), तार्राख 28 दिसम्बर, 1988 के भ्रधीन, भारत के राजपत्र, भ्रमाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (1) तार्राख 29 दिसंखर, 1988 में प्रकाशित किया गया था, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभाविस होने की संभावना थी, उस तारीख से, जिसकी उस राजपत्र की प्रतियों जिसमें उक्त ध्रिस्चना प्रकाशित की गई, जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, 45 दिनों के भ्रवसान से पूर्व भ्राक्षेप भीर सुभाव मांगे गए थे।

भीर उन्त राजपक की प्रतियां 13 जनवरी, 1989 की जनता का उपलब्ध करा थी गयी थी; भीर केन्द्रीय सरकार को उक्त प्रारूप के संबंध में जनता से कीई भाक्षेप या सुमाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

मन, केन्द्रीय सरकार, उक्त मधिनियम की धारा 4 द्वारा मवल शक्तियों का प्रयोग करते हुए केल्झियम कार्बाइड नियम, 1987 कर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती हैं:—

- 1. (1) धन नियमों का संक्षिप्त नाम केल्लियम कार्बाइड (संशी-धन) नियम, 1989 है;—
  - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2- केरिशयम कार्बाइड नियम, 1987 (जिसे इसमें इसके पश्चीत् उक्त नियम कहा गया है) में नियम 3 के परन्तुक का लोप किया जाएगा।
- 3 उक्त नियमों के नियम 17 के स्थान पर निम्निलिखित नियम रखा जाएगा, ग्रथित:~~

"17. भू भाग द्वारा भाषातः—कोई भी व्यक्ति, प्रत्येक मामले में, केल्बीय सरकार की पूर्व मंजूरों के बिना भूमार्ग द्वारण कार्बाइड का भाषात नहीं करेगा, भीर वह भाषात निम्मलिखित भारों के सक्षीन रहते हुए करेगा; भर्षात्:—

(1) यह कि कार्बाईड की विहित अधिमों में ले जाया आता है

- (2) यह कि भ्रायात करने के दौरान सभी ऐसी युनिकनपृक्त पूर्या:
  यधानिया बन्ती जाती हैं जिससे कि कार्बाष्ट की जल या
  तिबे भीर चान्दो जैसी धानुश्री के संपर्क में आने ने रोका
  जा सकेगा;
- (3) यह कि कार्याइड को उतारे जाने के पण्चात्, उसे श्रांबलम्ब्र किसी श्रनज्ञण्य भण्डारकरण में ले जाया जाता है।";

बुं उक्स नियमों के नियम 18 के स्थान पर, निस्तिविधित नियम रखा जाएगा, प्रथित :---

"18 वायुमान द्वारा द्यातात .-- कोई भी प्रामित प्राप्तिक मामले में, केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंत्रूरों के दिना बायु मार्ग द्वारा कार्याहरू का द्यायान नहीं करेगा, और दृह अध्यान निम्न- लिखिन णभों के प्राप्तीन रहते हुए करेगा; प्रार्थात .--

- (1) यह कि कार्बाइड की विहित प्राधानों में ने जाया अपना है;
- (2) यह कि प्रायान करने के बौरान सभी ऐसी युक्तियक्त पूर्वाबधानियां बरसी जाती हैं जिससे कि कार्बाइड को जल या तांबे प्रीर चान्दी जैसी धानुष्ठों के संपर्क में प्राने से रोक्ता जा संकेगा;
- (3) यह कि काश्रिष्ठ को उतार जाने के पण्चात्, उसे श्रविलम्ब किसी धनकप्त भण्डारकरण में ले जाया जाला है।"।

5. उक्त नियमों के निथम 20 में, पहले परन्तुक के स्थान पर, निम्मलिखित परन्तुक रूपा जश्गुमा, अर्थाल्:--

"परन्तु मुख्य नियंत्रक, 100 कि. या. से प्रक्षिक कार्याइड को अन्तिष्ट करने की क्षमता काले ऐसे पालों में कार्याइड का परिलद्दन अनुवान कर सकेगा जो उसके द्वारा इस आणय से बिनि-विष्टस्या अनुवादित किए जाए कि ऐसे पाल उपस्कत रूप से डिजाइन किए गए हैं और उनका, भार की मुरक्षित रूप से ले जोने के लिए तथा पानी के प्रवेण की रोकने के लिए परीक्षण कर लिया गया है।"।

6. उक्त नियमों के नियम 30 को उसके उपनियम (1) के रूप में पुन: संख्योंकित किया जाएगा और इस प्रकार से पुन: संख्योंकित किया जाएगा और इस प्रकार से पुन: संख्योंकित उपनियम (1) के पश्वाम् निम्निलिखन उपनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थान:--

"(2) प्रमुक्तापन प्राधिकारी, इस श्रध्याय के प्रधीन श्रम्जाब्य दिए ज्ञान के लिए सम्यक् रूप से पूर्णदक्तायेजों दी प्राप्ति को सारीख से तीन मास की श्रद्धि के भीतर उप-नियम (1) के श्रक्षीन श्रुत्ज्ञानि देगा।"।

> [सं ० २1(3) 87—डीपाआर/ईकोर्फाई।एस] ग्राट, के सिन्हा, समका संबद

#### पाव टिप्पण:

्रमुल मियम भारत के राजपत्त (असाधारण), भाग II, व्हंड 3, उपव्यंव (i) में प्रक्षिसूचना सं. सा. का. नि. 165 (प्र), नारीका 18 करवारी, 1987 हारा अभाशित किए गए थे।

#### MINISTRY OF INDUSTRY

## (Department of Industrial Development) NOTIFICATION

New Delhi, 28th February, 1990

G.S.R. 109 (E).—Whereas a draft of certain rules to amend the Calcium Carbide Rules, 1987, was published as required by sub-section (2) and (3) of section 29 of the Petroleum Act, 1934 (30 of 1934) with the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. G.S.R. 1228(E) dated the 28th December 1988 in the Gazette of India, Extra-ordinary, Part-II, Section 3, sub-section (i) dated the 29th December, 1988, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of 45 days on which the copies of the Official Gazette in which the notification was published were made available to the public;

And whereas, the copies of the said Official Galette were made available to the public on the 13th January, 1989;

And whereas, no objection or suggestions were received from the public on the said draft by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 4 of the Petroleum Act, 1934, the Central Government hereby makes the following rules to amend the Calcium Carbide Rules, 1987:—

- 1. (1) These rules may be called the Calcium Carbide (Amendment) Rules, 1989.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Calcium Carbide Rules, 1987 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 3, the proviso shall be omitted.
- 3. For rule 17 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely:—
  - "17. Importation by land—No person shall import Carbide by land save with the previous sanction in each case of the Central Government and subject to the following conditions, namely:—
    - (i) that the carbide is carried in prescribed receptacles;
    - (ii) that all reasonable precautions are taken to prevent carbide coming into contact with water or metals like copper and silver during importation;

- (iii) that after carbide is landed, it is removed to a licensed storage premises without delay.";
- 4. For rule 18 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely:--
  - "18. Importation by air—No person shall import carbide by air save with the previous sanction in each case of the Central Government and subject to the following conditions, namely:—
    - (i) that the carbide is carried in prescribed receptacles;
    - (ii) that all reasonable precautions are taken to prevent carbide coming into contact with water or metals like copper and silver during importation;
    - (iii) that after carbide is landed, it is removed to a licensed storage premises without delay.".
- 5. In rule 20 of the said rules, for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely :-

- "Provided that the Chief Controller may permit transport of carbide and receptacles capable of containing more than 100 kilograms specifically approved by him to the effect that such receptacles are suitably designed and tested to safely carry the load and to prevent ingress of water."
- 6. Rule 30 of the said rules shall be numbered as sub-rule (1) thereof and after sub-rule (1) as so numbered, the following sub-rule shall be inserted, namely:—
  - "(2) The licensing authority shall grant licence under sub-rule (1) within a period of three months from the date of the receipt of documents duly completed for grant of licence under this Chapter.".

iNo. 21(3) |87-DPR EGGS|R. K. SINHA, Jt. Secy.

#### FOOT NOTE :-

Principal rules published vide notification GSR No. 105(E) dated the 18th February, 1987 in the Gazette of India (Extra-ordinary) Part-II, Section-3, Subsection (i).